चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	2-9-24	2	1-4

दलहनी फसलों में विषाणु रोगों से रुक जाती है पौधों की बढ़वार

ऐसे करें पहचान-बचाव

पत्तियां पड़ जाती हैं पीली व चितकबरी

बीमारी फैलने से रोकने के लिए निकाल दें खेत से रोगग्रस्त पौधे को

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। मूंग, उड़द और लोबिया में विषाणु रोगों के प्रकोप से पौधों की बढ़वार रुक जाती है और पत्तियां पीली, चितकबरी या झुर्रीदार हो जाती हैं। इनकी रोकथाम के लिए शुरू में ही रोगी पौधों को निकालकर नष्ट कर देना चाहिए और यह भी ध्यान रखना चाहिए कि खराब पौधा उखाड़ते समय वह स्वस्थ पौधों के संपर्क में न आए।

पौध रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश पूनिया ने बताया कि उड़द में पत्तों के धब्बों का रोग हो जाता है जिसमें प्रायः पत्तों पर लाल व भूरे रंग के कोणदार धब्बे बन जाते हैं जिनके बीच का रंग सलेटी होता है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि सफेद मक्खी पीला मोजैक जैसे विषाणु रोग फैलाती है। इसकी रोकथाम के लिए 400 मिली लीटर मैलाथियान 50 ईसी या 250 मिली रोगोर 30 ईसी को 250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ फसल पर 10-15 दिन के अंतर पर छिड़कें। यह कीटनाशक सफेद मक्खी के अलावा दूसरे रस चूसने वाले कीड़ों की रोकथाम के लिए भी कारगर है। डॉ. सतपाल ने बताया कि बारिश के दिनों में खेत का निरीक्षण करते रहें और खेत में जल भराव न होने दें। अन्य फसलों के मुकाबले दलहनी फसलें जल भराव के प्रति अधिक संवेदनशील हैं। खरपतवारों की रोकथाम करने के लिए समयानुसार निराई करें और आवश्यकता अनुसार ही पानी लगाएं।

मूंग का रोगग्रस्त पौधा।

बीमारी से बचाव के उपाय

बीमारी की रोकथाम के लिए 600-800 ग्राम ब्लाइटॉक्स-50 या इंडोफिल एम-45 का 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से फसल पर छिड़काव करें और 10 दिन के अंतर पर आवश्यकतानुसार छिड़काव दोहराएं। इसके अलावा पत्तों का जीवाणु रोग भी इन फसलों को प्रभावित करता है, जिसमें पत्तों की सतह के नीचे छोटे-छोटे जलसिक्त बिंदु से नजर आते हैं, जिनके आसपास के तंतु गल जाते हैं। रोकथाम के लिए फसल पर कॉपर ऑक्सीक्लोराइड की 600-800 ग्राम मात्रा को 200 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ छिड़काव करें। ऐसा करने से पौधों को बीमारी से बचाया जा सकता है।

मूंगफली के पौधों में लगने वाली बीमारियों से बचाव कैसे करें

मूंगफली में टिक्का नामक बीमारी से पत्तियों पर गहरे भूरे रंग के धब्बे बन जाते हैं। इनके नियंत्रण के लिए लक्षण दिखते ही 400 ग्राम मैन्कोजेब या 200 ग्राम बाविस्टीन को 200 लीटर पानी में घोल बनाकर एक एकड़ की फसल पर 10-15 दिन के अंतर पर दो बार छिड़काव करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
धरि · भूमि	1.9.24	5	2-3

बालावास में पौधरोपण के साथ पौधा वितरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

■ पौधरोपण करने के पश्चात उनकी देखभाल करना भी बहुत जरूरी है तभी धरती हरी भरी रहेगी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत गांव बालावास में पौधरोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव के मार्गदर्शन में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महाविद्यालय कि शिक्षिकाओं डॉ. संतोष रानी व वर्षा सैनी ने शनिवार को गांव बालावास के पंचायत घर एवं जीएमएस स्कूल में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में शिक्षिकाओं ने ग्रामीण महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे

हिसार। गांव बालावास में पौधारोपण करती महिलाएं।

पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए अधिक से अधिक पौधे रोपित किए जाने चाहिए। पौधारोपण करने के पश्चात उनकी देखभाल करना भी बहुत जरूरी है। पेड़-पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है। विभिन्न

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	1-9-24	5	7-8

बालावास में महिलाओं ने पौधरोपण किया

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत गांव बालावास में पौधरोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव के मार्गदर्शन में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिक्षिकाओं डॉ. संतोष रानी, वर्षा सैनी ने गांव बालावास के पंचायत घर एवं जीएमएस स्कूल में पौधरोपण किया। महिलाओं को विभिन्न प्रजातियों जामुन, सहजन, लेहसुआ व अमलतास के पौधे वितरित किए। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	1-9-24	5	1-3

हकृवि द्वारा गांव बालावास में पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 31 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत गांव बालावास में पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव के मार्गदर्शन में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपरोक्त महाविद्यालय कि शिक्षिकाओं डॉ संतोष रानी और वर्षा सैनी द्वारा गांव बालावास के पंचायत घर एवं जीएमएस स्कूल में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

गांव बालावास में पौधारोपण करते हुए महिलाएं।

कार्यक्रम में शिक्षिकाओं ने ग्रामीण महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए अधिक से अधिक पौधे रोपित किए जाने चाहिए। पौधारोपण करने के पश्चात उनकी देखभाल करना भी बहुत जरूरी है। पेड़-पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है। विभिन्न प्रजातियों के अधिक से अधिक पौधे रोपित करके हम अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बना सकते हैं। प्रकृति को हरा-भरा बनाकर आने वाली पीढ़ी के लिए संजोकर रखने में अपनी अहम भूमिका निभाएं। महाविद्यालय कि शिक्षिकाओं ने महिलाओं को पेड़-पौधों कि उपयोगिता एवं महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं एवं बच्चों को बरसात के मौसम में अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए भी प्रेरित किया। पंचायत समिति सदस्य सुभाष एवं स्कूल की प्रिंसिपल प्रोमिला ने पौधारोपण एवं पौधे वितरित करने में पूरा सहयोग किया। कार्यक्रम के समापन अवसर ग्रामीण महिलाओं को विभिन्न प्रजातियों, जामुन, सहजन, लेहसुआ व अमलतास के पौधे वितरित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	1-9-24	6	6-8

बालावास में एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम आयोजित

हिसार(सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत गांव बालावास में पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव के मार्गदर्शन में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय कि शिक्षिकाओं डॉ संतोष रानी और वर्षा सैनी द्वारा गांव बालावास के पंचायत घर एवं जीएमएस स्कूल में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौधारोपण करने के पश्चात उनकी देखभाल करना भी बहुत जरूरी है। पेड़-पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है। विभिन्न प्रजातियों के अधिक से अधिक पौधे रोपित करके हम अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बना सकते हैं। प्रकृति को हरा-भरा बनाकर आने वाली पीढ़ी के लिए संजोकर रखने में अपनी अहम भूमिका निभाएं। उन्होंने महिलाओं एवं बच्चों को बरसात के मौसम में अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए भी प्रेरित किया। पंचायत समिति सदस्य सुभाष एवं स्कूल की प्रिंसिपल प्रोमिला ने पौधारोपण एवं पौधे वितरित करने में पूरा सहयोग किया। कार्यक्रम के समापन अवसर ग्रामीण महिलाओं को विभिन्न प्रजातियों जामुन, सहजन, लेहसुआ व अमलतास के पौधे वितरित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	02.09.2024	---	--

हकृवि ने गांव बालावास में पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत गांव बालावास में पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव के मार्गदर्शन में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपरोक्त महाविद्यालय कि शिक्षिकाओं डॉ संतोष रानी और वर्षा सैनी द्वारा गांव बालावास के पंचायत घर एवं जीएमएस स्कूल में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षिकाओं ने ग्रामीण महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए अधिक से अधिक

पौधे रोपित किए जाने चाहिए। पौधारोपण करने के पश्चात उनकी देखभाल करना भी बहुत जरूरी है। पेड़ -पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है। विभिन्न प्रजातियों के अधिक से अधिक पौधे रोपित करके हम अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बना सकते हैं। प्रकृति को हरा-भरा बनाकर आने वाली पीढ़ी के लिए संजोकर रखने में अपनी अहम भूमिका निभाएं।

महाविद्यालय कि शिक्षिकाओं ने महिलाओं को पेड़- पौधों कि उपयोगिता एवं महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव के मार्गदर्शन में किया कार्यक्रम

एवं बच्चों को बरसात के मौसम में अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए भी प्रेरित किया। पंचायत समिति सदस्य सुभाष एवं स्कूल की प्रिंसिपल प्रोमिला ने पौधारोपण एवं पौधे वितरित करने में पूरा सहयोग किया। कार्यक्रम के समापन अवसर ग्रामीण महिलाओं को विभिन्न प्रजातियों जामुन, सहजन, लेहसुआ व अमलतास के पौधे वितरित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	31.08.2024	---	--

हकृवि द्वारा बालावास में पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित

गांव बालावास में पौधारोपण करती महिलाएं

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत गांव बालावास में पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव के मार्गदर्शन में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उपरोक्त महाविद्यालय कि शिक्षिकाओं डॉ संतोष रानी और वर्षा सैनी द्वारा गांव बालावास के पंचायत घर एवं जीएमएस स्कूल में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षिकाओं ने ग्रामीण महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए अधिक से अधिक पौधे रोपित किए जाने चाहिए। पौधारोपण करने के पश्चात उनकी देखभाल करना भी बहुत जरूरी है।

पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए अधिक से अधिक पौधे रोपित किए जाने चाहिए। पौधारोपण करने के पश्चात उनकी देखभाल करना भी बहुत जरूरी है। पेड़-पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है। अधिक से अधिक पौधे रोपित करके हम अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बना सकते हैं। प्रकृति को हरा-भरा बनाकर आने वाली पीढ़ी के लिए संजोकर रखने में अपनी अहम भूमिका निभाएं।

पेड़-पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है। विभिन्न प्रजातियों के अधिक से अधिक पौधे रोपित करके हम अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बना सकते हैं। प्रकृति को हरा-भरा बनाकर आने वाली पीढ़ी के लिए संजोकर रखने में अपनी अहम भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के समापन अवसर ग्रामीण महिलाओं को विभिन्न प्रजातियों जामुन, सहजन, लेहसुआ व अमलतास के पौधे वितरित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	31.08.2024	---	--

| हिसार : पौधारोपण करने के पश्चात उनकी देखभाल करना भी बहुत जरूरी

31 Aug 2024 19:01:31

बालावास में पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 31 अगस्त (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत गांव बालावास में पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव के मार्गदर्शन में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महाविद्यालय कि शिक्षिकाओं डॉ. संतोष रानी व वर्षा सैनी ने शनिवार को गांव बालावास के पंचायत घर एवं जीएमएस स्कूल में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में शिक्षिकाओं ने ग्रामीण महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए अधिक से अधिक पौधे रोपित किए जाने चाहिए। पौधारोपण करने के पश्चात उनकी देखभाल करना भी बहुत जरूरी है। पेड़-पौधों का मानव जीवन में विशेष महत्व है। विभिन्न प्रजातियों के अधिक से अधिक पौधे रोपित करके हम अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ बना सकते हैं। प्रकृति को हरा-भरा बनाकर आने वाली पीढ़ी के लिए संजोकर रखने में अपनी अहम भूमिका निभाएं।